This question paper contains 4 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक ....

7872 **A**

ADVANCED DIPLOMA

HINDI—Paper II

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. किन्हीं **दो** अवतरणों का प्रसंग सहित भावार्थ लिखिए :

(क) नौकरी शब्द से उसके मन में जैसे कड़ुआहट तीखी हो आई। सारा मन मानो मितली से भर उठा। नौकरी शब्द के साथ ही उसके मन में कई चित्र एक साथ जमा हो गए, घिघियाते हुए चपरासी, बोझ से दबे गधे, कन्धे पर का भारी जुआ उठाने को असमर्थ मरियल बैल, जिसकी चौराहे पर अंग-प्रत्यंग देखकर बिक्री होती थी ऐसी दासी, अफसर की धुड़की, चमकते हुए पालिश किए बूट की ठोकर, संताप मिश्रित व्यथा के मौन घूंट, दबी हुई आहें, संकल्पों का हनन, धीरे-धीरे एक मशीन का पुर्जा बन जाने वाली मस्तिष्क की चेतना!

(ख) पर मांग्या का मन इतना कोमल नहीं है। न ही उसे इन सब बातों का मलाल है। वह मजहब के नाम पर होने वाली मक्कारी से सुपरिचित है वह बोला—'क्या एक रुपए को ले बैठा है केशो? अब ये साधु

[P.T.O.

ही देखो। सब-के-सब गांजा, चरस, अफीम, भंग, शराब में पैसा खर्च करते हैं। ये भगत लोग समझते हैं कि बड़े अवतारी पुरुष हैं, और बड़े सिद्ध और औलिया हैं और जरूर मानता पूरी करेंगे। पर यह सब गलत है। ये खुद अपना पेट नहीं भर सकते—दूसरों का क्या कल्याण करेंगे?

(ग) गांधीजी के गरीबी मिटाने के बारे में जो विचार थे—उनसे मनोहर को पूरा सन्तोष नहीं था। उसके मन में जो बड़ी उतावली और अधीरता थी। वह सोचता था—वह इस प्रकार से भला कभी अमीरों का हृदय परिवर्तन हुआ है? मनुष्य एक बार पैसा कमाने के चक्कर में एकदम सांचे की तरह यान्त्रिक भाव से काम करता है। वह भला कभी बदल सकता है। परिवर्तन तो तब हो जब उसमें हृदय के तत्व बचे हों। बार-बार मनोहर इसी दुविधा के सामने आकर टकराता था कि मनुष्य की मनुष्यता इस स्वार्थ—यन्त्र की विराट भट्टी में झुलसकर जो भस्मप्राय हो गई है, उनमें कहां से हरकत फिर से पैदा की जा सकती है। $10 \times 2 = 20$

2. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(क) केशोराम अथवा फादर डिक्सन के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'साँचा' उपन्यास के द्वारा लेखक पाठक तक क्या सन्देश देना चाहता है?

(ग) 'साँचा' उपन्यास में वर्णित समाज का चित्र प्रस्तुत कीजिए।

$10 \times 2 = 20$

हमारा स्वभाव ही बन गया है और इसका एकमात्र कारण है—हमारी दुर्बलता। इस प्रकार दुर्बल हृदय से कोई कार्य नहीं हो सकता। अत: उसकी दुर्बलता दूर करके उसे सबल बनाना होगा। मित्रो ! पहले तुम बलवान बनो। धर्म पीछे आ जाएगा। आज के युग में गीता के अभ्यास की अपेक्षा फुटबॉल आदि खेलों के द्वारा स्वर्ग के अधिक निकट पहुंच जाओगे। यदि तुम्हारी भुजाएं बलवान होंगी, तो तुम गीता को अच्छी तरह समझोगे। जब तुम अपने पैरों पर अधिक दृढ़ता से खड़े होगे, तो तुम भी अपने आपको मनुष्य समझोगे और उपनिषदों का ज्ञान प्राप्त करके आत्मा की शक्ति को जान सकोगे।

प्रश्न :

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(ख) हमारे दु:खों का कारण क्या है?

(ग) 'गीता के अभ्यास की अपेक्षा फुटबॉल द्वारा स्वर्ग की निकटता' से लेखक क्या कहना चाहता है?

(घ) युवकों को क्या परामर्श दिया गया है?

(ङ) उपनिषदों का ज्ञान क्यों आवश्यक है? $2 \times 5 = 10$

3. किन्हीं **पाँच** शब्दों का अर्थ बताकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

अनुपम, अभिव्यक्ति, कानन, निशाचर, सुधा, दर्प, तिरस्कार, कुसुम, पावक, सच्चिदानन्द। $2 \times 5 = 10$

4. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) पहले भारत का नाम क्या था? इस देश का नाम भारत कैसे हुआ?

(ख) 'भौगोलिक दृष्टि से भारत अत्यन्त समृद्ध है'। इस कथन से क्या तात्पर्य है?

(ग) वसन्त पर्व के बारे में क्या मान्यताएं हैं? यह पर्व कैसे मानाया जाता है?

(घ) 'दशहरा' किस कारण से और कैसे मनाया जाता है?

(ङ) संस्कृति और सभ्यता के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

(च) 'दीपावली' शब्द से क्या अर्थ है? त्योहार जीवन में क्या महत्व रखते हैं? $3 \times 10 = 30$

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के विलोम लिखकर वाक्य बनाइए :

आकर्षण, सजीव, नैतिक, एकता, यश, दूषित, आय, तिमिर, आस्तिक, सजीव। $2 \times 5 = 10$

6. निम्नलिखित अवतरण के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारे दु:खों का एक बड़ा कारण हमारी शारीरिक दुर्बलता है। हम आलसी हैं और मिलकर कोई कार्य नहीं कर सकते। हम कई बातों को तोते की तरह रटते हैं, पर उनका प्रयोग अपने व्यवहार में नहीं करते। यह तो एक प्रकार से